बीएसईएस ने शुरू की *तत्काल* सेवा

पूजा–पंडालों के लिए एक दिन में मिलेगा बिजली का अस्थायी कनेक्शन

नई दिल्लीः 13 सितंबर। त्यौहारों के मौसम में बड़े पैमाने पर बिजली के अस्थायी कनेक्शनों की मांग को देखते हुए, बीएसईएस ने दशहरा मेला और पूजा–पंडाल, आदि के लिए *तत्काल* कनेक्शन देने का फैसला किया है। इन कार्यों के लिए डिमांड नोट का भुगातन करने के एक दिन के अंदर ही बिजली का अस्थायी कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जाएगा।

अस्थायी कनेक्शन के लिए आवेदन करने के बाद अगर उपभोक्ता की ओर से जरूरी कागजात जमा करा दिए गए हैं और डिमांड नोट का भुगतान कर दिया गया है, तो उसी दिन उपभोक्ता को बिजली का कनेक्शन दे दिया जाएगा। आमतौर पर इसमें तीन से पांच दिन का वक्त लगता है। फेस्टिव सीजन में बड़ी संख्या में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन को ध्यान में रखते हुए, बीएसईएस की ओर से *तत्काल* कनेक्शन की सेवा दी जा रही है। शादी के समारोहों के लिए भी तत्काल कनेक्शन का ऑफर दिया गया है।

तत्काल अस्थायी कनेक्शन के लिए, बीआरपीएल उपभोक्ता 39999707 और बीवाईपीएल उपभोक्ता 39999808 पर फोन करके या अपने डिविजन ऑफिस में जाकर सामान्य व्यावसायिक औपचारिकताओं को पूरा कर सकते हैं। बीएसईएस की वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू. बीएसईएसदिल्ली.कॉम पर भी तत्काल अस्थायी कनेक्शन के लिए, ऑनलआइन आवेदन किया जा सकता है। साथ ही, डिमांड नोट का भुगतान भी ऑनलाइन किया जा सकता है।

उपभोक्ता द्वारा व्यावसायिक औपचारिकताओं को पूरा करने और डिमांड नोट का भुगतान करने के बाद, उसी दिन उसे बिजली का अस्थायी कनक्शन उपलब्ध कराने के लिए बीएसईएस की टीम ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। *तत्काल* कनेक्शन उपलब्ध कराने में कंपनी की तीव्र आईटी सिस्टम का भी अहम योगदान रहेगा।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक– बीएसईएस की हमेशा से यह कोशिश रही है कि बिजली से संबंधित सभी पहलुओं पर उसके उपभोक्ताओं की जिंदगी आसान बनी रहे। यह तत्काल स्कीम इसी कोशिश का एक परिणाम है। बता दें कि बीएसईएस उपभोक्ता डोर स्टेप सर्विस और मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे कई सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

चूंकि फेस्टिव सीजन में बिजली का अवैध उपयोग काफी बढ़ जाता है, इसलिए टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बीएसईएस की डेटा एनालिटिक्स टीम विभिन्न स्रोतों से मिल रहे डेटा का अध्ययन कर बिजली के अवैध उपयोग के खिलाफ जांच का अभियान तेज करेगी। बीएसईएस ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे पंडाल आदि के लिए वैध तत्काल कनेक्शन लें क्योंकि बिजली का अवैध उपयोग न सिर्फ काफी महंगा साबित हो सकता है, बल्कि उन्हें समाज में शर्मिंदगी भी उठानी पड़ सकती है।